SHASTRI/B. A. PART- II EXAMINATION, 2024

हिन्दी साहित्य

LIBRARY COPY

PAPER – (HIN/2103)

हिन्दी साहित्य – I

Faculty of Ved and Vedang

Time Allowed : 3 Hours **Maximum Marks : 100**

Note – Each paper will be divided into THREE Parts.

प्रश्न–1 अति लघुतरात्मक प्रश्न पत्र कुल 15 प्रश्नों में से किसी 10 के उतर दीजिए। सभी के अंक समान है 10*2=20

1. रीतिकालिन ग्रन्थ "भाषा– भूषण" के लेखक कौन है।
2. प्रस्तुत पंक्ति किस आचार्य की है "रीतिरात्मा काव्यस्य" ।
3. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार रीति काल का प्रवर्तक कौन है।
4. रीतिकाल में रीति सिद्व कवि किसे कहा जाता है।
5. रीतिकाल के कवियों को देखकर लगता है कि इनके सामने कोई सामाजिक समस्या थी ही नहीं यह कथन किसका है।
6. रीतिकाल के कवियों की भाषा बताईये।
7. कवि देव का पूरा नाम क्या है।
8. प्रेम की पीड़ का रीतिकालिन कवि कौन है।
9. कवि भूषण को भूषण की उपाधि किसने दी।
10. कवि आलम का वास्तविक नाम क्या था।
11. रीतिकाल का कौनसा कवि प्रकृति चित्रण का कवि माना जाता है।
12. कवि सेनापति की प्रमुख रचना का नाम बताईये।
13. कवि घनान्द ने वृन्दावन आकर किस सम्प्रदाय में दीक्षा प्राप्त की।
14. कवि भूषण किस रचना में अलंकार शास्त्र का वर्णन है।
15. रीतिकाल को 'श्रृगांर काल' का नाम किसने दिया।

प्रश्न–2 निम्नलिखित पदो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। शब्द सीमा 150 से 200 शब्द तक

(अ) मेरी भव बाधा, हरो, राधा नागरि सोय। अंक– 10
जा तन की झाँई परै, स्यामु हरित दुति होय।।

(अथवा)

भोग में रोग वियोग संयोग में, योग में काय – कलेस कमायो।
त्यों 'पद्माकर' बेद पुरान पढ़यों, पढ़ि कै बहु बाद बढ़ायो।।
दूनी दुरास में दास भयो, पै कहूँ विसराम को धाम न पायो।
कायो गमायो सु देस ही जीवन, हाय मै राग को नाम न गायो।।

(ब) त्रिभुवन भहि परसिद्व इक्क अरि –बल–वह खंडिय। अंक– 10
यह अनेक अरिबल विहंड़ि रन मंडल मंडिय।।
भूषन वह रितु एक पुहवि पानिपहि बढ़ावत।
यह छहुँ रितु निस –दिन अपार पानिप अधिकावत।।

(अथवा)

अति सूधो सनेह को मारग है, जहाँ नेकु सयानप बाँक नहीं।
तहाँ साँचे चलै तजि आपनपौं, झिझकै कपटी ने निसाँक नहीं।।
घनआनन्द प्यारे सुजान सुनौ, यहाँ एक तै दूसरो आँक नहीं।
तुम कौन धौं पाटी पढ़े हौं लला, मन लेहु पै देहु छटाँक नहीं।।

(स) बिहारी श्रृंगार, प्रेम, और नीति के सिद्वहस्त कवि माने जाते है उदाहरण सहित स्पष्ठ कीजिए। अंक– 10

(अथवा)

रीति मुक्त काव्य धारा में घनान्दं के स्थान को निर्धारित कीजिए।

प्रशन–3 निम्बन्धात्मक प्रशनों में से कोई दो का उतर दीजिए। शब्द सीमा 300 से अधिक अंक– 15*2- 30

1. रीतिकाल की प्रमुख प्रवृतियों ,काव्य, धाराओं के साथ उनकी विशेषताओं का वर्णन कीजिए,।
2. हिन्दी के राष्ट्रीय विचारधारा के कवियों में भूषण का स्थान अन्नतमय है इस कथन की व्याख्या उदाहरण सहित कीजिए।
3. घनानन्द की भाषा हर जगह भावों से बोझिल है इस कंथन के आलौक में घनानन्द का स्थान निर्धारित कीजिए।
4. केशव को कठिन काव्य का प्रेत कहा जाता है पठित पदो के आधार पर- इस कथन की समिक्षा कीजिए।

SHASTRI/B. A. PART- II EXAMINATION, 2024

हिन्दी साहित्य

LIBRARY COPY

PAPER – (HIN/2103)

हिन्दी साहित्य–II

Faculty of Ved and Vedang

Time Allowed : 3 Hours **Maximum Marks : 100**

Note – Each paper will be divided into THREE Parts.

खण्ड - 'अ'

अतिलघुत्तरामक प्रश्न

प्रश्न 1.निम्न में से किन्हीं 10 प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (शब्द सीमा- 30शब्द)

सभी प्रश्नों के अंक समान है। 10×2=20

i. पंच परमेश्वर किस विधा की रचना है ? इसके रचनाकार का नाम लिखिए।

ii. ' हार की जीत' कहानी के लेखक कौन है?

iii. 'बेढब बनारसी' का वास्तविक नाम क्या है?

iv. ' मेरी जन्मभूमि' निबंध में किस गाँव का वर्णन किया गया है?

v. 'कबीर साहब से भेंट' के रचयिता कौन हैं? यह किस विधा की रचना है ?

vi. विष्णु प्रभाकर प्रणीत कौनसी एकांकी पाठ्यक्रम में संकलित की गई है ?

vii. 'यात्रा का रोमांस' यात्रा वृतांत के अनुसार 'यायावर' कौन है?

viii. कफन कहानी के पात्रों के नाम लिखिए।

ix.आकाशदीप कहानी किसकी रचना है? इसकी नायिका का नाम लिखिए।

x. 'दुखवा मैं कासो कहुँ मोरी सजनी' किसकी कहानी है?

xi. पाजेब कहानी का मूल कथ्य क्या है?

Xii. गदल कहानी के मुख्य पात्र का नाम लिखते हुए उसकी दो चारित्रिक विशेषताएँ बताइये।

xiii. 'तीसरी कसम' कहानी के रचनाकार का नाम तथा इसके प्रमुख पात्र के बारे में बताइए।

xiv. जयशंकर प्रसाद के प्रमुख कहानी संग्रहों के नाम लिखिए।

xv. द्विवेदी युग के प्रमुख निबन्धकारों के नाम लिखिए।

खण्ड - 'ब'

प्रश्न 2. लघुत्तरात्मक/ व्याख्यात्मक प्रश्न (शब्द सीमा- 150-200 शब्द)

निम्न में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए: 10×3=30

(क) सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

कुछ वस्तुएँ परमात्मा स्वयं बनाता है और कुछ जब काम की अधिकता होती है, तब ठेके पर भी बनवा लेता है। बनारसी एक्का परमात्मा मे अपने हाथों गढ़ा है। एक और बात है, विधना का कुछ ऐसा विकट विधान है कि जिस शब्द के आगे बनारसी शब्द लग जाये, उस जोड़ की दूसरी वस्तु स्वर्ग, नरक और संसार में मिलना कठिन है।

(ख) सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

यायावर की खोज, उसकी अस्थिरता, अपने में ही एक सिद्धि है। क्योंकि गति का हर क्षण उसे रोमांचित करता है। यात्रा की थकान और बाधाओं में उसे सुख मिलता है। वास्तव में रास्ते की थकान और बाधाएँ ही तो यात्रा को यात्रा बनाती हैं। जहाँ बाधा नहीं है, कुछ अज्ञात और शंकास्पद नहीं है, सब निश्चित, आयोजित और सुरक्षित है, उस यात्रा को यात्रा कहा जाये, या घर का ही एक चलता-फिरता संस्करण ?

(ग). सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

वह स्वप्नों की रंगीन सन्ध्या, तम से अपनी आँखें बन्द करने लगी थी। दीर्घ निश्वास लेकर महानाविक ने कहा- "इस जीवन की पुण्यतम घड़ी की स्मृति में एक प्रकाश-गृह बनाऊँगा, चंपा ! चंपा यहीं उस पहाड़ी पर। सम्भव है कि मेरे जीवन की धुंधली सन्ध्या उससे आलोकपूर्ण हो जाए। "

(घ) "पाजेब' कहानी में बाल-मनोविज्ञान का सजीव परिचय मिलता है। इस कथन पर प्रकाश डालिए।

(ङ) आत्मकथा,संस्मरण एवं जीवनी में अंतर परिभाषित कीजिए।

खण्ड – 'स'

प्रश्न 3.निबंधात्मक प्रश्न (शब्द सीमा- 300 शब्द) 15×2=30

(अ)कहानी के तत्वों के आधार पर 'कफ़न' की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'पंचपरमेश्वर' निबंध में व्यक्त विचारों को सोदाहरण व्यक्त कीजिए।

(ब) हिंदी कहानी की विकास यात्रा पर एक लेख लिखिए।

अथवा

'ललित निबंध' को समझाते हुए निबंध के विभिन्न भेदों को स्पष्ट कीजिए।